सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-25

कक्षा:-8 **विषय:हिन्दी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:5**

मौखिक

1.उत्तर बताइए-

(क) ईश्वर ने हमें विभिन्न इंद्रियाँ दी हैं, जिनमें अलग-अलग ताकत भरी है। पैरों में चलने की गति भरी होने के कारण हमें सतत चलते रहना चाहिए, दर-दर खड़े नहीं होना चाहिए।

(ख) कवि अपना परिचय राही कह कर देते हैं।

(ग) जीवन में हँसना-रोना, आशा-निराशा, पाना-खोना ऐसी परिस्थितियाँ आती रहती है।

(घ) जो लोग चलने से घबराते हैं, वे भाग्य पर रोते हैं।

लिखित

2.प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) गति प्रबल पैरों में भरी से तात्पर्य पैरों की ताकत से है।

(ख) 'चलना हमारा काम है' कविता के माध्यम से कवि ने मनुष्य को जीवन में आने वाले सुख-दुख का साहस से सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। वह कहना चाहते हैं कि सभी के जीवन में सुख-दुख आते ही रहते हैं। जीवन का कोई भी पहलू इनसे अछूता नहीं रहता है। हर हाल में हमें चलते रहना चाहिए। ईश्वर को कभी अपने विरुद्ध नहीं समझना चाहिए। हमें समान भाव से हर परिस्थिति का सामना करना चाहिए तथा जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमें कभी भी निराशा होकर हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

(ग) कवि के अनुसार जीवन में सुख-दुख आते हैं। आशा-निराशा आती हैं। कभी हम किसी वस्तु को प्राप्त करते हैं और कभी किसी वस्तु को खो भी देते हैं। भाग्य पर रोना परेशानियों से डरने की निशानी है।

(घ) जीवन में विपरीत परिस्थितियाँ आती और जाती रहती है। ऐसे दौर में यदि हम सोच समझकर काम करते हैं तो परेशानियों का निराकरण हो जाता है। इसीलिए कवि प्रार्थना करते हैं कि बुद्धि की गति कभी बाधित न हो।

(ङ) जीवन में सुख-दुख सहना ही पड़ता है। आशाएँ-निराशाएँ, पग-पग पर हमारे जीवन में डेरा डालती हैं। लोग कुछ पाते हैं, कुछ खोते हैं। ऐसी कई अवस्थाओं में हम ईश्वर पर दोषारोपण करते हैं।

(च) कर्म के मार्ग में आनेवाली बाधाएँ हमें रोक देंगी तो हम जीवन में आगे नहीं बढ़ पाएँगे। मतलब यह कि राह चलते गिरना-उठना तो लगा ही रहता है। जीवन पथ पर चलते हुए, 'जो गिर गए, सो गिर गए' का तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति गिरने के बाद हिम्मत हार जाता है, उसे कुछ हासिल नहीं होता, वह गिरा का गिरा ही रह जाता है।

3.पाठांश पर आधारित प्रश्न

(क) मनुष्य पूर्णता की खोज में दर-दर भटकता रहता है।

(ख) कवि को प्रत्येक पग पर बाधाओं का अनुभव हो रहा है।

(ग) प्रत्येक पग पर बाधाएँ परेशान करती हैं, उनसे हमें निराश नहीं होना चाहिए।

(घ) कवि ने जीवन में मनुष्य को निरंतर चलने, आगे बढ़ने का काम बताया है।

(ङ) खुद तो खेलना आता नहीं बस सदा दूसरों के खेल में रोड़ा अटकाते रहते हो।

4.सही विकल्प चुनकर (✓) का चिह्न बनाइए-

(क) कुछ कहने और कुछ सुनने से

(ख) गति-मति अवरुद्ध न होने का

(ग) हरदम चलते रहने वालों की